2016

HINDI

[Honours]

PAPER – VIII

Full Marks : 90

Time : 4 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

खण्ड — क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 15 × 2

(क) 'गोदान' की मूल समस्या ऋण की समस्या है । — उचित तर्कों दारा अपने कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ख) 'श्रीकान्त' उपन्यास पुरुष प्रधान होते हुए भी नारी संवेदना का संवाहक है — इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(*ग*) 'कर्मभूमि' उपन्यास में प्रेमचन्द ने जिन-जिन समस्याओं पर विचार किया है, उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

(*घ*) 'पथ के दावेदार' उपन्यास रुढ़िमुक्त समाज के निर्माण की कोशिश है ! — इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(*ङ*) 'पल्ली समाज' उपन्यास 'ग्राम्य जीवन का-दस्तावेज है' — सोदाहरण सिद्ध कीजिए ।

(*च*) 'गबन' उपन्यास में व्यक्त राष्ट्रीय-चेतना का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

खण्ड — ख

2. किन्हीं *पाँच* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8 × 5

(*क*) 'गोदान' में व्यक्त नारी चेतना का विवेचन कीजिए ।

(*ख*) समरकान्त और अमरकान्त के मध्य तनाव के मुख्य कारण क्या थे ? — तर्कपूर्ण उत्तर लिखिए ।

(*ग*) 'पल्ली समाज' में व्यक्त प्रमुख समस्या पर प्रकाश डालिए ।

(*घ*) शरतचन्द्र की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

(ङ) जालपा का चरित्र रामनाथ की तुलना में दृढ़ है । — इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(च) अपूर्व की मानसिक संरचना को रेखांकित कीजिए ।

(छ) प्रेमचन्द्र की 'नारी दृष्टि' पर प्रकाश डालिए ।

(ज) 'श्रीकान्त' उपन्यास का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ?

(झ) 'गोदान' के प्रोफेसर मेहता की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए ।

(ञ) 'वेणी बाबु' के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए ।

खण्ड — ग

3. किन्हीं *पाँच* पर टिप्पणी लिखिए : 4 × 5

(क) सुखदा का चरित्र

(ख) 'श्रीकान्त' की 'राजलक्ष्मी'

(ग) 'पल्ली समाज' की 'रमा'

(घ) 'पथ के दावेदार' शीर्षक की प्रासंगिकता

(ङ) 'गबन' की नैना

(च) प्रेमचन्द के उपन्यासों में वर्णित शहरी–जीवन

(छ) 'गोदान' में अन्तर्जातीय विवाह

(ज) 'कर्मभूमि' की मुन्नी

(झ) 'पथ के दावेदार' की सुमित्रा

(ञ) 'गबन' की रतन ।